Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to change the phrase 'India that is Bharat'.

श्री संजय सेठ (राँची): धन्यवाद, सभापति महोदय । मैं एक महत्वपूर्ण विषय पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । जब इस देश का नाम अनादिकाल से भारत रहा है तो फिर 'India, that is Bharat' लिखने और बोलने की जरूरत क्यों है? हमें हर चीज के लिए अंग्रेजों से उधार लेने की आवश्यकता क्यों है? मध्य काल में 'सिन्धु' को तुर्क और ईरानी लोग सिन्धु नहीं कह पाए तो उन्होंने इसे 'हिन्दू' कहा और इस प्रकार देश का नाम भारत होने के बावजूद हिन्दुस्तान हो गया, जिसे हम हिन्दुस्तान कहने लगे । अब अंग्रेजों को जब हिन्दुस्तान कहने और बोलने में परेशानी हुई तो उन्होंने सिन्धु घाटी, जिसे कभी 'इण्डस वैली' भी कहा जाता था, उससे प्रभावित होकर भारत को 'इण्डिया' के नाम से पुकारा । ऐसे में विदेशियों के द्वारा दिए गए नाम से प्रभावित होकर 'India, that is Bharat' कहना भारत जैसे विशाल देश और उसकी महान गौरवशाली संस्कृति का अपमान है । ऐसे भी देखा जाए तो अंग्रेजी द्वारा इण्डिया कहने से पूर्व इस देश को हमारे मनीषियों ने कई नामों से पुकारा था और भारतवर्ष, आयावर्त, ब्रह्मवर्त, जम्बूद्वीप आदि नाम भारतीय ग्रन्थों में दिए गए हैं । ऐसे गौरवशाली नामों को विस्मृत करके भारत का पर्याय इण्डिया को बना देना, फिर इण्डिया को सार्वभौमिकता प्रदान करके 'India, that is Bharat' कहना न्यायसंगत नहीं है ।

महोदय, इसीलिए सदन से मेरा आग्रह है कि भारत का नाम सिर्फ भारत हो, 'India, that is Bharat' कहने और लिखने की परम्परा समाप्त हो ।

HON. CHAIRPERSON: See, there are more than 60 Members to speak. Hon. Speaker has allowed all the Members to raise their issues. So, I request all the hon. Members to confine their submission to one minute. You please put your demand with minimal observation.